वर्ष :: 34 अंक : 12
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 34 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 17 दिसंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

अब कसेगा कानूनी शिकंजा ?

ईडी बनाम सीएम... समन को छठी बार भी दिखाया ठेंगा, जारी हो सकता है वारंट

विशेष संवाददाता

रांची : जमीन घोटाले के मामले में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच लगातार टशन जारी है। हाजिर होने का समन छठी बार जारी होने के बावजूद सीएम उपस्थित नहीं हुए। जमीन घोटाले की जांच कर रही ईडी ने सोरेन को आखिरी समन बीते 10 दिसंबर को जारी किया था और उन्हें 12 दिसंबर को एजेंसी के रांची स्थित जोनल ऑफिस में दिन के 11 बजे उपस्थित होने को कहा था। अलबत्ता हेमंत दुमका में आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शिरकत करने जरूर पहुंच गए। मालूम हो कि जमीन घोटाले में चल रही जांच के सिलसिले में बयान दर्ज कराने के लिए सोरेन को पहली बार समन जारी कर 14 अगस्त को बुलाया गया था। इसके बाद उन्हें 24 अगस्त, 9 सितंबर, 23 सितंबर, 26 सितंबर, 4 अक्टूबर और छठी बार 12 दिसंबर को हाजिर होने का समन भेजा गया। सोरेन इनमें से किसी समन पर हाजिर नहीं हुए। लगातार छठी बार ईडी के आदेश को ठेंगा दिखाना शायद अब ईडी के लिए पानी सिर से ऊपर होना माना जा रहा है।

खबर है कि ईडी अब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ वारंट और कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रही है। यानी उन पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी चल ही रही है। एजेंसी अब उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी कराने और उनकी गिरफ्तारी के विकल्पों पर कानून के जानकारों से परामर्श ली जा रही है।

खबरों की मानें तो हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने अपनी दलील में कहा था कि सीएम सोरेन ने समन का पहले ही उल्लंघन किया है।

वह ईडी के किसी भी समन पर उपस्थित नहीं हुए। ऐसे में उनका समन को चुनौती देने का कोई औचित्य नहीं है, इसलिए उन्हें राहत नहीं दी जा सकती है।

ईडी के सूत्रों के मुताबिक, अदालत से याचिका खारिज होने के बाद सोरेन के पास पूछताछ के लिए उपस्थित न होने के कानूनी विकल्प भी नहीं हैं। एजेंसी अब सोरेन के खिलाफ जांच में असहयोग का हवाला देते हुए उनकी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से वारंट जारी करवा सकती है। बताया जाता है कि ईडी के मुख्यालय में भी इस बात पर विचार चल रहा है।

ऐसे बताया समन को धत्ता

'कुछ लोगों का संदेह था कि मैं आज यहां इस कार्यक्रम में रहूंगा या नहीं, लेकिन मैं आपके बीच हूं।' दुमका में जनसमूह को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने इन्हीं शब्दों के साथ बगैर ईडी का नाम लिए उसके समन को धत्ता बता दिया। बताया जाता है कि हेमंत सोरेन के ईडी के दफ्तर पहुंचने की संभावना को देखते हुए वहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे दिन ईडी कार्यालय के बाहर गहमागहमी वाली स्थिति बनी रही, लेकिन हेमंत हाजिर ही नहीं हुए। अलबत्ता वह दोपहर तीन बजे ईडी के दफ्तर के ठीक सामने से गुजरते हुए रांची एयरपोर्ट चले गए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए दुमका के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें 'आपकी सरकार, आपके द्वार' अभियान के तहत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में उपस्थित होना था।

अदालत दिखा चुकी है आईना

विदित हो कि ईडी के समन को हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी थी, लेकिन अदालत उन्हें पहले ही आईना दिखा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका सुने बगैर हाईकोर्ट जाने को कहा था। इसके बाद उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर ईडी के समन को निरस्त करने का आग्रह किया, लेकिन यहां चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने बीते 13 अक्टूबर को उनकी खारिज करते हुए समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। बता दें कि ईडी जिस जमीन घोटाले में सीएम से पूछताछ करना चाहती है, उस मामले में रांची के पूर्व डीसी आईएएस छवि रंजन सहित कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह घोटाला दक्षिणी छोटानागपुर के तत्कालीन आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी की एक जांच रिपोर्ट से सामने आया था और इसी के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। मामला सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि फर्जी नाम-पता के आधार पर झारखंड में सेना की जमीन की खरीद-बिक्री हुई है। इस सिलसिले में रांची नगर निगम ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। ईडी ने उसी प्राथमिकी के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

खुशखबरी 668 करोड़ रुपए की लागत से सेक्टर- 12 में बनेगा 500 बेड का मेडिकल कॉलेज, 'सेल' ने आवंटित की है जमीन

मेडिकल पढ़ाई के लिए बोकारो से बाहर जाने की जरूरत नहीं, कैबिनेट से मिली कॉलेज को मंजूरी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : मेडिकल पढ़ाई के लिए आनेवाले दिनों में अब यहां के इच्छुक अभ्यर्थियों को बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। मेडिकल कॉलेज का चिर-प्रतीक्षित सपना अब साकार होने जा रहा है। कॉलेज बनाने के लिए झारखंड सरकार की कैबिनेट से अपनी मंजूरी दे दी है। लगभग 688 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले मेडिकल कॉलेज का निर्माण होगा। इसके लिए सेक्टर-12 में जमीन भी आवंटित है। सेल, बीएसएल द्वारा सेक्टर- 12 में फोरलेन किनारे आरवीएस कॉलेज के समीप 25 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह मेडिकल कॉलेज पूरी तरह सरकारी होगा। वर्ष 2019 में सेल और इस्पात मंत्रालय से जमीन की मंजूरी मिली थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इसमें राज्य सरकार का 60 प्रतिशत और केंद्र सरकार का 40 प्रतिशत निवेश होगा। अगले कुछ महीनों में ही इसके निर्माण कार्य का

शिलान्यास हो जाएगा। जानकारों के अनुसार, बोकारो के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए कैबिनेट से मंजूरी मिलना काफी अहम बात मानी जा ही है। मेडिकल कॉलेज बनने से यहां न केवल चिकित्सकीय शिक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा और इस क्षेत्र में भी झारखंड की इस शैक्षणिक राजधानी की गरिमा बढ़ेगी, बल्कि आमलोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के नए अवसर के दरवाजे भी इससे खुलेंगे।

हॉस्टल समेत होंगी कई सुविधाएं

बोकारो में बनने वाला सरकारी मेडिकल कॉलेज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जहां सभी प्रकार की व्यवस्था होगी। यह सरकारी कॉलेज 500 बेड का होगा, जिसमें शुरूआत में मेडिकल की 100 सीटें होंगी। बॉयज और गर्ल्स, अलग-अलग हॉस्टल होंगे। डॉक्टर, नर्स डीन और डायरेक्टर के आवास भी कैंपस में होगा। इसके अलावा ऑडिटोरियम, प्लेग्राउंड, क्लब, गेस्ट हाउस, पार्किंग आदि भी होंगे। बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) द्वारा भवन-निर्माण कराया जाएगा।

इधर, श्रेय लेने की होड़... भाजपाइयों ने विधायक के प्रति जताया आभार

बोकारो में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिलने पर श्रेय लेने की भी होड़ लगी है। भाजपाई जहां (शेष पेज- 7 पर)

– संपादकीय –

राहुल के विवादित बोल

भारतीय संसद पर हुए स्मोक हमले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो प्रतिक्रिया दी है, उससे देश में एक बड़ी बहस छिड़ गई है। जबकि, भाजपा ने राहुल गांधी पर हमले तेज कर दिए हैं। दरअसल, राहुल गांधी को अपने बयानों को लेकर हमेशा विवादों में घिरे रहने की आदत सी हो गई है। संसद पर हुए ताजा हमले को बेरोजगारी या महंगाई से जोड़कर राहुल ने खुद को हंसी का पात्र बना दिया है। क्योंकि, देश के नए संसद भवन में कुछ लोगों ने जिस तरह विजिटर गैलरी से छलांग लगाई और रंगीन धुएं से संसद को सराबोर कर वहां मौजूद सांसदों में दहशत फैलाई, इसे बेरोजगारी या महंगाई से जोड़ना गलत होगा। सच तो यह है कि देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था। लेकिन, सरकारें बदलती रहीं, गरीबी और बेरोजगारी की समस्या आज भी बरकरार है। भारतीय लोकतंत्र में अपनी मांगें रखने या सरकार का विरोध करने के कई प्रजातांत्रिक तरीके हैं, लेकिन सीधे संसद पर हमले की घटना को अगर राहुल गांधी बेरोजगारी और महंगाई से जोड़कर देखते हैं तो उनके इस नजरिए को सही नहीं कहा जा सकता। यदि राहुल गांधी की इस दलील को ही सही मान लिया जाए तो यह सवाल जरूर उठ सकता है कि इन्दिरा गांधी के शासनकाल में ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में कुछ विद्रोहियों द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री की हत्या क्या सही थी? तमिल ईलम की मांग कर रहे श्रीलंका में तमिल समुदाय के लोगों के गुस्से से राजीव गांधी की जान देने की घटना को क्या सही कहा जाएगा? कदापि नहीं! क्या राहुल गांधी इन घटनाओं को सही करार देंगे? इंदिरा गांधी या राजीव गांधी की हत्या को कभी भी जायज नहीं ठहराया जा सकता है। दरअसल, भारतीय संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को दो युवक अंदर घुसे और फिर पूरे परिसर में पीला धुआं फैला दिया। स्मोक हमले से सांसद भी भयभीत हो गए। कई यह चिल्लाते सुने गए कि यह जहरीला धुआं छोड़ा गया है। हालांकि, ऐसा नहीं था। इस हमले के बाद सुरक्षा से जुड़े आठ कर्मी निलंबित कर दिए गए हैं। लेकिन, संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'ऐसा क्यों हुआ? देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। पीएम मोदी की नीतियों के कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और इसके पीछे क्या कारण है?' राहुल गांधी ने कहा कि घटना की असल वजह बेरोजगारी और महंगाई है। चिन्ता का विषय यह है कि संसद पर स्मोक हमले की यह घटना 2001 के आतंकवादी हमले की बरसी पर हुई, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गईं। हालांकि, सुरक्षा अधिकारियों ने हमलावरों को तुरंत पकड़ लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया। सुरक्षा उल्लंघन की इस घटना की जांच चल रही है। इस मामले में अब तक छह लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पूरे मामले का खुलासा तो जांच के बाद ही होगा। लेकिन, अपने बयान के बाद राहुल गांधी विवादों में जरूर घर गए हैं।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

बरकरार रही भारत की संप्रभुता और अखंडता

– नरेन्द्र मोदी –
प्रधानमंत्री, भारत सरकार।

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने पर 11 दिसंबर को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में भारत की संप्रभुता और अखंडता को बरकरार रखा है, जिसे प्रत्येक भारतीय द्वारा सदैव संजोया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना पूरी तरह से उचित है कि 5 अगस्त 2019 को हुआ निर्णय संवैधानिक एकीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया था, न कि इसका उद्देश्य विघटन था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तथ्य को भी भलीभांति माना है कि अनुच्छेद 370 का स्वरूप स्थायी नहीं था।

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की खूबसूरत और शांत वादियां, बर्फ से ढके पहाड़, पीढ़ियों से कवियों, कलाकारों और हर भारतीय के दिल को मंत्रमुग्ध करते रहे हैं। यह एक ऐसा अद्भुत क्षेत्र है जो हर दृष्टि से अभूतपूर्व है, जहां हिमालय आकाश को स्पर्श करता हुआ नजर आता है, और जहां इसकी झीलों एवं नदियों का निर्मल जल स्वर्ग का दर्पण प्रतीत होता है। लेकिन पिछले कई दशकों से जम्मू-कश्मीर के अनेक स्थानो पर ऐसी हिंसा और अस्थिरता देखी गई, जिसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। वहां के हालात कुछ ऐसे थे, जिससे जम्मू-कश्मीर के परिश्रमी, प्रकृति प्रेमी और स्नेह से भरे लोगों को कभी भी रू-ब-रू नहीं होना चाहिए था।

लेकिन दुर्भाग्यवश, सदियों तक उपनिवेश बने रहने, विशेषकर आर्थिक और मानसिक रूप से पराधीन रहने के कारण, तब का समाज एक प्रकार से भ्रमित हो गया। अत्यंत बुनियादी विषयों पर स्पष्ट नजरिया अपनाने के बजाय दुविधा की स्थिति बनी रही जिससे और ज्यादा भ्रम उत्पन्न हुआ। अफसोस की बात यह है कि जम्मू-कश्मीर को इस तरह की मानसिकता से व्यापक नुकसान हुआ।

देश की आजादी के समय तब के राजनीतिक नेतृत्व के पास राष्ट्रीय एकता के लिए एक नई शुरूआत करने का विकल्प था। लेकिन तब इसके बजाय उसी भ्रमित समाज का दृष्टिकोण जारी रखने का निर्णय लिया गया, भले ही इस वजह से दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करनी पड़ी।

मुझे अपने जीवन के शुरुआती दौर से ही जम्मू-कश्मीर आंदोलन से जुड़े रहने का अवसर मिला है। मेरी अवधारणा सदैव ही ऐसी रही है जिसके अनुसार जम्मू-कश्मीर महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं था, बल्कि यह विषय समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नेहरू मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण विभाग मिला हुआ था और वे काफी लंबे समय तक सरकार में बने रह सकते थे। फिर भी, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मंत्रिमंडल छोड़ दिया और आगे का कठिन रास्ता चुना, भले ही इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन उनके अथक प्रयासों और बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़ गए।

कई वर्षों बाद अटल जी ने श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक में 'इंसानियत', 'जम्हूरियत' और 'कश्मीरियत' का प्रभावशाली संदेश दिया, जो सदैव ही प्रेरणा का महान स्रोत भी रहा है। मेरा हमेशा से दृढ़ विश्वास रहा है कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ था, वह हमारे राष्ट्र और वहां के लोगों के साथ एक बड़ा विश्वासघात था। मेरी यह भी प्रबल इच्छा थी कि मैं इस कलंक को, लोगों पर हुए इस अन्याय को मिटाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूँ, उसे जरूर करूँ। मैं हमेशा से जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहता था।

सरल शब्दों में कहें तो, अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे। ये अनुच्छेद एक अटूट दीवार की तरह थे तथा गरीब,वंचित, दलितों-पिछड़ों-महिलाओं के लिए पीड़ादायक थे। अनुच्छेद 370 और 35(ए) के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उनके साथी देशवासियों को मिला। इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गईं। इस दूरी के कारण, हमारे देश के कई लोग, जो जम्मू-कश्मीर की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहते थे, ऐसा करने में असमर्थ थे, भले ही उन लोगों ने वहां के लोगों के दर्द को स्पष्ट रूप से महसूस किया हो।

एक कार्यकर्ता के रूप में, जिसने पिछले कई दशकों से इस मुद्दे को करीब से देखा हो, वो इस मुझे मुद्दे की बारीकियों और जटिलताओं से भली-भांति परिचित था। मैं एक बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट था- जम्मू-कश्मीर के लोग विकास चाहते हैं तथा वे अपनी ताकत और कौशल के आधार पर भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं। वे अपने बच्चों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता चाहते हैं, एक ऐसा जीवन जो हिंसा और अनिश्चितता से मुक्त हो।

इस प्रकार, जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करते समय, हमने तीन बातों को प्रमुखता दी- नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी-विश्वास का निर्माण करना तथा विकास, निरंतर विकास को प्राथमिकता देना।

जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जायेंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मई 2014 से मार्च 2019 के दौरान 150 से अधिक मंत्रिस्तरीय दौरे हुए। यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। वर्ष 2015 का विशेष पैकेज जम्मू एवं कश्मीर की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उद्योग को सहायता प्रदान करने से जुड़ी पहल शामिल थीं।

5 अगस्त का ऐतिहासिक दिन हर भारतीय के दिल और दिमाग में बसा हुआ है। हमारी संसद ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का ऐतिहासिक निर्णय पारित किया और तब से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में बहुत कुछ बदलाव आया है। न्यायिक अदालत का फैसला दिसंबर 2023 में आया है, लेकिन जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में विकास की गति को देखते हुए जनता की अदालत ने चार साल पहले अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने के संसद के फैसले का जोरदार समर्थन किया है।

राजनीतिक स्तर पर, पिछले 4 वर्षों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में फिर से भरोसा जताने के रूप में देखा जाना चहिये। महिलाओं, आदिवासियों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और समाज के वंचित वर्गों को उनका हक नहीं मिल रहा था। वहीं, लद्दाख की आकांक्षाओं को भी पूरी तरह से नजरअंदाज किया जाता था। लेकिन, 5 अगस्त 2019 ने सब कुछ बदल दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर के अपने फैसले में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत किया है। इसने हमें याद दिलाया कि एकता और सुशासन के लिए साझा प्रतिबद्धता ही हमारी पहचान है। आज जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को साफ-सुथरा माहौल मिलता है, जिसमें वह जीवंत आकांक्षाओं से भरे अपने भविष्य को साकार कर सकता है। आज लोगों के सपने बीते समय के मोहताज नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाएं हैं। जम्मू और, कश्मीर में मोहभंग, निराशा और हताशा की जगह अब विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने ले ली है। **(साभार – पीआईबी)**

रेलवे स्टेशन पर गुंडागर्दी

वाहन पड़ाव के नाम पर रोज मनमानी और बदसलूकी

संवाददाता

बोकारो : बोकारो रेलवे स्टेशन पर इन दिनों वाहन पड़ाव के नाम पर गुंडागर्दी चरम पर है। यहां आने-जाने वाले सभी वाहनों से पड़ाव संचालक के गुर्गे जबरन वसूली करते हैं। जबकि, नियमतः निजी वाहनों के स्टेशन पर पहुंचने और यात्रियों को उतारकर पांच मिनट के अंदर निकल जाने वाली गाड़ियों से किसी भी तरह का पार्किंग चार्ज नहीं लेना है। जो लोग इस बारे में बात कर नाजायज वसूली का विरोध करते हैं, तो उनके साथ बदसलूकी की जाती है। हर दिन यहां नोकझोंक और बदसलूकी का आलम देखा जा सकता है। नियमतः स्टेशन परिसर में कोई वहां अगर खड़ा है तो उसका शुल्क लिया जा सकता है, लेकिन जब कोई व्यक्ति अपने निजी वाहन से परिजनों को छोड़कर लौट जाता है, तो उससे पार्किंग चार्ज नहीं लेना है। लेकिन, यहां यह भी वसूला जाता है।

नियम के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति शून्य से दो घंटे तक पार्किंग में अपनी गाड़ी खड़ी करता है तो उसे 15 रुपए, दो से 6 घंटे तक 25 रुपए, 6 से 12 घंटे तक 30 रुपए और 12 से 24 घंटे के लिए 50 रुपए का पड़ाव शुल्क देना है, लेकिन यहां सिर्फ पार्किंग में इंट्री के नाम पर ही 15 रुपए जबरन वसूल लिए जाते हैं। इस बारे में बोकारो स्टील सिटी के स्टेशन प्रबंधक एके हालदार का कहना है कि पड़ाव संचालक की मनमानी के खिलाफ कई बार कार्रवाई कर जुर्माना भी किया गया है। अब स्टेशन प्रबंधक का यह कहना केवल पल्ला झाड़ लेने से काम नहीं माना जा सकता है। निश्चित तौर पर इसे गंभीरता से लिए जाने की आवश्यकता है।

इस बारे में पड़ाव संचालक पप्पू झा का कहना है कि उन्हें जो टेंडर मिला है उसमें शून्य से ही पार्किंग शुल्क लेने की अनुमति मिली हुई है। फिर भी अपनी तरफ से वह 5 मिनट तक पार्किंग फ्री रखते हैं, लेकिन अगर उनका कोई आदमी वैसे लोगों से भी वसूली करता है तो इसकी सीसीटीवी में जांच करने के बाद वह उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

परिंदा की नई उड़ान

दादा के घर भाजपा की हुई 'सेंधमारी'

संवाददाता

बोकारो : झारखंड के कद्दावर नेता रहे स्व. समरेश सिंह के राजनीतिक घराने में भाजपा ने अपनी सेंधमारी कर दी। रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्व. सिंह की बड़ी पुत्रवधू डॉ. परिंदा सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने डॉ. सिंह को पार्टी की सदस्यता दिलाई। शामिल होने के बाद डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वपटल पर भारत के बढ़ते मान से अभिभूत होकर एवं भाजपा की नीतियों व सिद्धांतों से प्रभावित होकर वह भी देशहित में शामिल हुई हैं। यह बिहार-झारखंड में भाजपा के संस्थापक सदस्य स्व. समरेश सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में तथा संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, मुख्य सचेतक सह बोकारो विधायक बिरंची नारायण, कार्यालय महामंत्री प्रदीप वर्मा व बोकारो जिलाध्यक्ष भरत यादव की उपस्थिति में डॉ. सिंह ने सदस्यता ली।

डॉ. सिंह ने पूरी कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी के साथ पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि स्व समरेश सिंह की आत्मा भाजपा (जनसंघ) में बसती थी। उनके अधूरे सपना को पूरा करने के लिए उन्होंने भाजपा ज्वाइन की। कांग्रेस में जनसेवा करने के लिए वह प्लेटफार्म नहीं मिल पाया, जिससे बाबूजी के सपने को पूरा किया जा सके।

इधर, परिंदा सिंह की देवरानी कांग्रेस नेत्री श्वेता सिंह ने इस सेंधमारी के पीछे बोकारो विधायक बिरंची नारायण की साजिश बताई है। कहा कि स्थानीय विधायक की पिछले 10 वर्षों की विफल कार्यशैली व 2024 के चुनाव के भय में लिया गया यह कदम है। विधायक बिरंची ने डॉ. परिंदा के शामिल होने पर हर्ष जताया है।

आयोजन एआई के दौर में युग में मीडिया की भूमिका पर प्रशासन की कार्यशाला

आजादी के समय से ही राष्ट्र-निर्माण में मीडिया की रही है अहम भूमिका : डीसी

एआई का सही-गलत इस्तेमाल इंसानों पर ही निर्भर : एसपी

संवाददाता

बोकारो : कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया की भूमिका पर होटल हंस रिजेंसी के सभागार में जिला प्रशासन की ओर से एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बोकारो के उपायुक्त कुलदीप चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उप विकास आयुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी व चास के अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत रहे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जब हमारा देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, उन दिनों लगभग सभी क्रांतिकारी या तो अपना अखबार निकालते थे या पत्रकारिता से जुड़े हुए थे। आजादी के महासंग्राम से लेकर आज राष्ट्र के निर्माण तक मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत चर्चित है। ऐसे में मीडिया का कार्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण हो गया है। आपको कंप्यूटर के सामने सही डाटा लाना है। रॉ-डाटा को कंप्यूटर के सामने कैसे रखें, यह आपको तय करना है। इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) पर चर्चा के अलावा इसे बेहतर बनाने के लिए पत्रकारों को प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में जो सॉफ्टवेयर है, उसे इंसान ही सिखाता है। अगर हमने सॉफ्टवेयर को गलत संदेश (फीड) दिया तो वह नुकसानदेह होगा। उन्होंने कहा कि मीडिया के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग इस तरह से किया जाना चाहिए, ताकि इसका नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

उपविकास आयुक्त श्रीमति कीर्तिश्री ने कहा कि आज नीति निर्धारण से लेकर समाज के संदेश देने में मीडिया की अहम भूमिका है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। जबकि, अनुमंडल पदाधिकारी श्री शेखावत ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। इस पर रिसर्च हो रहे हैं। आने वाले समय में इससे बहुत मदद भी मिलेगा। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हम मानवीय मेधा (ह्यूमन इंटेलिजेंस) पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) पर ही न सौंप दें। कार्यक्रम का संचालन बोकारो के जिला सूचना एवं जन-संपर्क पदाधिकारी राहुल भारती ने किया। कार्यक्रम में सहायक जन-संपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, विभाग के सहायक लिपिक राकेश रंजन सिन्हा, आशुतोष कुमार, संतोष कुमार चौरसिया, मनोज कुमार, मोहम्मद सलाम हुसैन, दीपक कुमार तथा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये पत्रकार उपस्थित थे।

समुदाय-हित में ईएसएल स्टील हमेशा से ही कटिबद्ध : आशीष

संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की कंपनी और भारत में अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक ईएसएल स्टील लिमिटेड ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज दिवस के अवसर पर धनडाबर मिडिल स्कूल में एक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से किशोरियों के लिए एनीमिया परीक्षण, छात्रों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच, बीपी परीक्षण, रक्त समूह परीक्षण और मधुमेह रोगियों का परीक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किये गए। यह कार्यक्रम ईएसएल स्टील लिमिटेड सीएसआर के हेल्थकेयर फ्लैगशिप प्रोग्राम प्रोजेक्ट आरोग्य के तत्वावधान में और कार्यान्वयन भागीदार सिटीजन फाउंडेशन के साथ आयोजित किया गया था। इसमें धनडाबर मिडिल स्कूल के 100 से अधिक छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया। ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्रोजेक्ट आरोग्य ने जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पिछले 3 वर्षों में 100,000 से अधिक ग्रामीणों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर, ईआर और पीआर प्रमुख आशीष रंजन ने स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और हमारे आसपास के समुदायों की स्वास्थ्य सेवा के प्रति ईएसएल स्टील लिमिटेड की प्रतिबद्धता के बारे में कहा कि ईएसएल स्टील लिमिटेड की प्राथमिकता हमारे कर्मचारियों और हमारे संयंत्र के आसपास के समुदाय की भलाई करते रहने की है। हम सामुदायिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सक्रिय उपायों को प्राथमिकता देते हैं और दृढ़ता से मानते हैं कि इसकी रोकथाम सर्वोपरि है। हमारे पूरे इतिहास में वर्तमान में और भविष्य की ओर देखते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड चल रहे सीएसआर पहलों के माध्यम से समुदाय के स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए समर्पित है। एक स्वस्थ और संपन्न समुदाय को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना हमारा ध्येय है।

चोर-लुटेरों का बढ़ा आतंक

अपराध... बंद घर ही नहीं, घर में अकेले रहना भी अब दूभर, आक्रोश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में पुलिस इन दिनों अपराधियों का आतंक चरम पर है और चोर-लुटेरों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। अमूमन हर एक-दो दिन पर चोरी की घटनाएं हो ही रही हैं। इसी क्रम में अब चोरों का दुस्साहस इतना बढ़ चुका है कि वे लुटेरे बन चुकी है। बंद घर तो क्या अब अगर घर में महिला अकेली भी है, तो न जाने कब चोर लुटेरे हमला कर दें। इस कुस्थिति को लेकर शहरवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। शनिवार शाम ऐसी ही एक घटना सामने आई। नगर के सेक्टर- 2 में एक बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर अज्ञात बदमाशों ने लगभग तीन लाख रुपए मूल्य की संपत्ति लूट ली। सेक्टर-2 बी के क्वार्टर नंबर 2-148 के आवास मालिक रिटायर्ड बीएसएलकर्मी विनोद प्रसाद ने बताया कि वह शाम को घर से बाहर एक शादी समारोह में गए थे। उनकी पत्नी घर पर अकेली थी। वह घर के पीछे का दरवाजा खोलकर हरी सब्जियां धो रही थीं। इसी दौरान दो अपराधी आए और महिला को जबरन घर के अंदर ले गए। महिला को मारपीट कर आलमारी की चाबी मांगी, डर महिला ने चाबी दे दी। आलमारी से जेवरात व नकदी निकालने के बाद भी बदमाश भाग गए। पीड़ित बीएसएल के रिटायर कर्मी विनोद प्रसाद ने बताया कि डकैत ने उनके यहां से 40 ग्राम से अधिक सोने के जेवरात और नकद 10 हजार रुपए लूट लिए।

इधर, शनिवार को ही सेक्टर-6 ए में दो घरों से चोरी की बड़ी घटना सामने आई। क्वार्टर नंबर 2058 व 2060 में शनिवार की रात चोरी की। दोनों घर से करीब 12 लाख रुपए के जेवरात व नकदी की चोरी कर ली। क्वार्टर नंबर 2058 में रहने वाले बीएसएल अधिकारी श्वेताभ कुमार शादी समारोह में हजारीबाग अपने गांव गए थे। सूचना मिलने पर आए, तो इसकी जानकारी रविवार की सुबह सेक्टर-6 पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि चोरों ने ताला तोड़कर 20 हजार नकद और सोने की अंगूठी सहित और जेवरात की चोरी हुई है। वहीं क्वार्टर नंबर 2060 में रिटायर बीएसएल अधिकारी की अदिति ने बताया कि वह घर का ताला बंद कर अपने माता-पिता के साथ सेक्टर-2 एक रिश्तेदार के घर गई थी। चोरी की दोहरी घटना को लेकर पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है। विदित हो इसके तीन दिन पहले ही बालीडीह थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी विधान चौक के समीप स्थित बंद क्वार्टर संख्या डीएस 2/ 110 डी में रेलवे कर्मी धर्मेंद्र कुमार के घर लाखों की चोरी हो गई।

अपराधियों का दुस्साहस बढ़ा

बोकारो में इन दिनों चोरी-छिनतई और लूट की घटनाओं के साथ-साथ मारपीट और हत्या कर की वारदातें भी सामने आ रही हैं। चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के कुम्हरी गांव निवासी आकाश गोप (24) की हत्या बदमाशों ने चाकू गोदकर कर दी। शुक्रवार को उसकी शादी होनी थी, लेकिन एक दिन पहले ही गुरुवार देर शाम उसे चाकू गोदकर मार डाला गया। हत्या का कारण पैसे की लेनदेन को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। इधर, खेराचातर में विगत तीन सप्ताह से हाट के दिन बमबाजी किए जाने से लोग दहशत में हैं।

एसएन गुप्ता ने संभाला सेल के सीवीओ का पदभार

संवाददाता

बोकारो : एस एन गुप्ता, आईटीएस (1992 बैच) ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) का पदभार ग्रहण किया है। उक्त जानकारी देते हुए सेल, बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख, मणिकांत धान ने बताया कि श्री गुप्ता के पास विभिन्न तकनीकी और क्षमता निर्माण कार्यों में लगभग 30 वर्षों का व्यापक अनुभव है। 1992 बैच में भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) में प्रवेश करने के बाद उन्होंने एक्सचेंज इंस्टॉलेशन, फील्ड ऑपरेशन, मोबाइल ऑपरेशन और कार्मिक एवं प्रशिक्षण में विशेषज्ञता के साथ 23 साल से अधिक समय बिताया है।

श्री गुप्ता ने पांच वर्षों तक केंद्रीय सतर्कता आयोग में निदेशक के रूप में कार्य किया और सरकार के भीतर सतर्कता तंत्र को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में दो साल बिताए हैं, जहां उन्होंने खेल प्रशासन में पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्पर्धा अंतर विद्यालय चित्रांकन में बच्चों ने कागजों पर उकेरीं मानवीय संवेदनाएं

कला शब्दों के बिना संपर्क की भाषा : डॉ. गंगवार

संवाददाता

बोकारो : कला जीवन में आनंद भाव के साथ तनाव से मुक्ति का सशक्त माध्यम है। इसके जरिए एक कलाकार अपनी भावनाएं अभिव्यक्त कर सकता है। वास्तव में कला एक ऐसी भाषा है, जिसमें बिना शब्दों के एक-दूसरे से संपर्क किया जा सकता है। एक कलाकार की सोच और उसकी दूरदर्शिता अपने-आप में अनूठी होती है। उक्त बातें डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष डॉ. ए एस गंगवार ने कहीं। डीपीएस बोकारो में सहोदया की ओर से आयोजित अंतर विद्यालय पेंटिंग एवं पेंसिल स्केच प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र को वह संबोधित कर रहे थे।

इसके पूर्व, डॉ. गंगवार सहित सहोदया के उपाध्यक्ष एवं गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 5 के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती, चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा तथा निर्णायक के रूप में रांची से पहुंचे अंतरराष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त चित्रकार सीआर हेंब्रम एवं रामानुज शेखर ने संयुक्त रूप से कैनवास पर चित्रांकन कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। वहीं, प्रारंभ में विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत शुभ स्वागत करते हम आपका... का सुमधुर गायन कर अतिथियों का स्वागत किया।

प्रतियोगिता में चार समूहों में 19 विद्यालयों के कक्षा तीन से 12वीं तक के लगभग 150 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने मानवाधिकार, शिक्षा का अधिकार, वैश्विक समुदाय, मदर टेरेसा व बिरसा मुंडा के अवदान आदि विषयवस्तुओं पर अपनी भावनाएं कागजों बखूबी अभिव्यक्त किया। उनकी कलाकृति उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रतिबिंबित कर रही थी। सहोदया के सचिव एवं एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत पात्रा ने सभी विजेता एवं उपविजेताओं को पुरस्कृत किया। इस क्रम में छात्राओं ने मनभावन नृत्य की भी प्रस्तुति की।

हफ्ते की हलचल

पूर्व सैनिकों ने विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

बोकारो : पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो ने विजय दिवस के 52वें वर्ष में अपने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं बोकारो में रहनेवाले 1971 युद्ध के नायकों को को सम्मानित करने हेतु शहीद उद्यान, सिटी पार्क, बोकारो में एक श्रद्धांजलि सह- सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो स्टील प्लांट (नगर सेवा विभाग) के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार, महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) ए के सिंह उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में परिषद के अतिरिक्त विश्व हिदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सेवा भारती, संकल्प सृजन एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधि आदि मौजूद थे। सभी ने मिलकर शहीदों के सम्मान में नारा बुलंद किया। मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार ने इस युद्ध के दौरान सैनिकों के योगदान की सराहना करते हुए सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखने को कहा। मुख्य अतिथि ने 1971 युद्ध के उपस्थित सभी जांबाज सैनिकों- चंद्रिका तिवारी, वशिष्ठ प्रसाद सिंह, बिहारी सिंह, चन्द्रेश्वर प्रसाद जायसवाल, बचन बिहारी सिंह, बृन्दा सिंह, बजरंग सिंह एवं एस के सिंह बालाजी को सम्मानित किया। मौके पर परिषद के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष दिनेश्वर सिंह, पूर्व प्रांतीय सचिव राकेश मिश्र, निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुरेश बाबू, अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, राजीव कुमार, मनोज कुमार झा, राजहंस, मनोज कुमार, शशि भूषण, संजीव कुमार, परमहंस, मुन्ना प्रसाद, अमित सिन्हा, राजीव रंजन सिन्हा, राजकुमार सिंह, मनोज पाण्डेय, अभय कुमार राय, निकेश आदि थे।

नरमेन्द्र बने चिन्मय विद्यालय के नए उप-प्राचार्य

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो के वरिष्ठ शिक्षक नरमेंद्र कुमार को विद्यालय का नया उप-प्राचार्य नियुक्त किया गया है। विद्यालय प्रबंधन समिति ने उनकी दूरदर्शिता व समन्वित प्रयास को देखते हुए तथा हर दृष्टि से योग्य मानते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। नरमेन्द्र कुमार की नियुक्ति पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव महेश त्रिपाठी ने कहा कि नरमेन्द्र कुमार काफी धैर्यवान एवं सहनशील हैं। उनमें सफलता हेतु जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है। वह सबकी सुनते हैं विनम्र है लेकिन अंदर से सख्त प्रवृत्ति के हैं जो लक्ष्य निर्धारित करते उसे पूरा करके ही दम लेते हैं। सामूहिक नेतृत्व क्षमता के वह धनी हैं। उम्मीद है कि विद्यालय की यश वृद्धि में वह अपना बहुमूल्य योगदान देंगे। अपनी नियुक्ति के लिए नरमेन्द्र ने प्राचार्य सूरज शर्मा सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद महाराज के आशीर्वाद से वह प्रबंधन की उम्मीदों पर खरा उतरने का समर्पित भाव से हर प्रयास करेंगे। नरमेन्द्र कुमार के उप-प्राचार्य बनाए जाने पर चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष सह क्षेत्रीय निदेशक सी.सी.एम.टी एजुकेशन सेल उत्तर पूर्वी भारत विश्वरूप मुखोपाध्याय, कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक आदि ने उन्हें बधाई दी है।

डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी में छात्रों को मिलेगी फ्री कोचिंग

बोकारो : जिले के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने को लेकर उन्हें बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के उद्देश्य से चास प्रखंड के जिला परिषद मॉल में शुरू किए गए डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी में शनिवार को एक और उपलब्धि जुड़ गई। अब यहां जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को फ्री कोचिंग क्लास भी मुहैया कराई जाएगी। इसका शुभारंभ उप विकास आयुक्त सह-जिला परिषद की मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी कीर्तिश्री जी ने किया। यहां विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों के विशेषज्ञ अपनी यहां कक्षाएं देंगे। मौके पर डीडीसी ने कहा कि जिले के छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए जिला प्रशासन उन्हें हर अवसर मुहैया कराने को कृतसंकल्पित है।

डीपीएस चास को मिला इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड 2023

बोकारो : एजुकेशन टुडे की ओर से शैक्षणिक दक्षता, शैक्षिक गुण, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां आदि के सर्वे के आधार पर डीपीएस चास को जिले के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए होटल ताज बेंगलुरु में आयोजित समारोह में विद्यालय के निदेशक डॉ. नवीन शर्मा को इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड 2023 प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ. नवीन शर्मा ने कहा कि यह उल्लेखनीय सफलता विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन के मार्गदर्शन, पीवीसी एन. मुरलीधरन की प्रभावी योजना, सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम एवं अभिभावकों के अमूल्य योगदान के कारण प्राप्त हुई है।

सर्दी में गर्मी का अहसास... शीतकालीन सत्र में बढ़ा सियासी तापमान, रोज हंगामे

सियासत... बेहिसाब नकदी और समन मामले को ले विधानसभा में हंगामे, सरकार को घेरने में लगी भाजपा

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड में इनदिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। लेकिन, सियासी तापमान गरम है और सदन में सर्दी में गर्मी का अहसास हो रहा है। झारखंड विधानसभा में सदन के बाहर-भीतर रोज हंगामे हो रहे हैं और आगे भी होने के आसार हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बेहिसाब नकदी और जमीन घोटाले मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ईडी के समन की अनदेखी को लेकर सियासत जोरों पर हो रही है। भाजपाई सदन में इस मुद्दे पर हेमंत सरकार को लगातार घेरने में लगी है। शीतकालीन सत्र की शुरूआत ही गरमा-गरम रही। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन भले ही सदन के भीतर शांति रही लेकिन भाजपा ने कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों से भारी नकदी बरामदगी प्रकरण में प्रदर्शन किया। भाजपा विधायकों ने इस क्रम में हाथ में पोस्टर लिए धीरज साहू के यहां आयकर छापेमारी में जब्त करोड़ों रुपये को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा।

भाजपा विधायकों ने इस क्रम में हाथ में पोस्टर लिए धीरज साहू के यहां आयकर छापेमारी में जब्त करोड़ों रुपये को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगा। इस क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध नारेबाजी भी हुई। भाजपा विधायकों ने कहा कि बरामद 500 करोड़ रुपये बता रहे हैं कि झारखंड में कांग्रेस-झामुमो की सरकार ने किस हद तक राशि की लूट की है। इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। विधायकों ने धीरज साहू की गिरफ्तारी की भी मांग की। विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि गरीबों की गाढ़ी कमाई की लूट हुई है। भाजपा इसका जवाब लेकर रहेगी। अनंत ओझा ने कहा कि इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। साथ ही धीरज साहू के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी तरफ, भाजपा के आरोपों पर पलटवार में कांग्रेस के विधायकों ने कहा कि भाजपा मुद्दों को भटकाने का आरोप लगाया।

बोले नेता प्रतिपक्ष- सरकार को जनता के सवालों का देना होगा जवाब

संवाददाता

बोकारो : कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से जिस तरह से नोटों की गड्डियां बरामद हुई हैं, इससे झारखंड एक बार फिर देश दुनिया में बदनाम और शर्मसार हुआ है। झारखंडी कभी भी ऐसे लोगों को माफ नहीं करेंगे। यह निश्चित रूप से कालाधन ही है, जिसे गरीबों का खून चूसकर कांग्रेस ने अपने शासनकाल में ऐसे धनाढ्य पूरे देश के अंदर तैयार किए हैं। उक्त बातें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी ने इस संवाददाता से एक खास बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के धन कुबेर चुनाव एवं अन्य कार्यों में गलत तरीके से इस राशि का खर्च करते हैं। राज्य में चूंकि गठबंधन की सरकार चल रही है, यह निश्चित रूप से झारखंड का ही पैसा है, जो झारखंड के लोगों से लूटा गया है, इस सरकार से जवाब लेना होगा और हमलोग जवाब लेकर रहेंगे। श्री बाउरी ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक रूप से विफल साबित हुई है। इसकी असफलता झारखंड के साढे तीन करोड़ लोगों के लिए बहुत भारी पड़ रही है। इस सरकार को वैधानिक रूप से जनता के तमाम सवालों का सीधा जवाब देना होगा।

बेलगाम विधि-व्यवस्था ही सरकार की उपलब्धि

श्री बाउरी ने कहा कि जहां तक विधि-व्यवस्था की बात है, जेल के अंदर हत्या हो जाना, जेल के बाहर पुलिस की हत्या हो जाना, महिलाओं के साथ दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही हैं। यही इस सरकार की उपलब्धि है। इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। युवाओं के साथ भद्दा मजाक हो रहा है। अंतिम समय में परीक्षाओं को रद्द कर दिया जा रहा है। जो पहले से नियोजित हैं, उन्हें भी निकालकर बाहर किया जा रहा है। कई ऐसे लोग उन्हें मिले हैं, जो पहले से छोटे-छोटे अनुबंध के आधार पर नियोजित थे, आज सरकार ने उन्हें निकाल दिया है। कुल मिलाकर यह सरकार, जो भ्रष्टाचारी है, कदाचारी है, अनाचारी है, इसके जाने का समय हो गया है। इसको बाहर का रास्ता दिखाने के लिए झारखंड की जनता तैयार है। हमलोग भी इसे आईना दिखाने का काम करेंगे।

प्रधानमंत्री से मिले, कहा- बनेगी भाजपा की सरकार

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने बीते दिनों देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर राज्य की राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में चर्चा की। लौटकर आने के बाद उन्होंने पीएम मोदी से मिलना सौभाग्य की बात बताई। कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास-पथ पर गतिशील है। 2024 के लोकसभा चुनाव में ही नहीं, आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड में भी भाजपा की सरकार जरूर बनेगी।

झामुमो नेता अनिल की सिल्वर जुबली में सियासी दिग्गजों का लगा रहा जमावड़ा

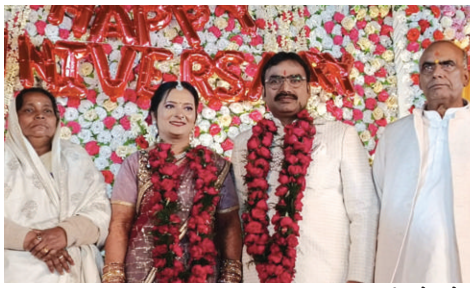

संवाददाता

बेरमो (बोकारो) : झामुमो नेता एवं अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल और बेबी अग्रवाल शादी की सिल्वर जुबली एनिवर्सरी के मौके पर जैनामोड स्थित आर्यन इंटरनेशनल होटल में एक समारोह का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत गणेश वंदना से हुई। फिर 25वीं सालगिरह का केक काटा गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं समारोह में सियासी दिग्गजों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकताओं का जमावड़ा हुआ। मौके पर अग्रवाल परिवार की ओर से रात्रि भोज की विशेष व्यवस्था की गई थी। पूछने पर दंपति ने मुस्कुराते हुए कहा कि पता ही नहीं चला कि शादी के 25 साल कब बीत गए। समारोह में राजनीति और व्यापार जगत से जुड़े गणमान्य लोगों की भी उपस्थिति रही। र्यक्रम में शामिल होने वालों में झारखंड सरकार में मंत्री बेबी देवी, भाजपा विधायक सह-सचेतक जयप्रकाश भाई पटेल, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, पूर्व विधायक योगेवर महतो बाटुल, सपा नेता मुमताज अली, सीसीएल ढ़ोरी जीएम एम के अग्रवाल व कथारा जीएम दिनेश कुमार गुप्ता, बेरमो प्रमुख गिरिजा देवी, पी एन पाण्डेय, छेदी नोनिया, स्वामी सीताराम शरण, लाडली सरण, ट्रांसपोंटर गिरीश कोठारी, अरूण अग्रवाल व ललन सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी, भाजपा नेता लक्ष्मण नायक, प्रकाश सिंह, विक्रम पाण्डेय, अर्चना सिंह, मुखिया कंचन देवी, निवर्तमान वार्ड पार्षद रशिम सिह, फुसरो व्यवसायी संघ के आर उनेश, कृष्ण कुमार, कोल व्यवसायी मीनू अग्रवाल, पिंटू सिंह, ललित अग्रवाल, दिलीप गोयल, वैभव चौरसिया, सुमित बंसल, दीपक अग्रवाल, रोहित मित्तल, अभय विश्वकर्मा, मजदूर नेता दिनेश पांडेय, राहुल कुमार, देवतानंद दूबे, पत्रकार विजय कुमार झा, सिध्दार्थ नारायण पोद्दार, नंदलाल सिंह, समशेर आलम सहित कई प्रशासनिक अधिकारी सहित सैकड़ों गणमान्य लोग शामिल हुए।

जल्द बदलेगी पुनौरा धाम की सूरत, मुख्यमंत्री ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

सीतामढ़ी : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 72.47 करोड़ रुपए की लागत की सीतामढ़ी जिला अंतर्गत पुनौरा धाम मंदिर (मां जानकी जन्मभूमि) परिसर के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने साइट प्लान के माध्यम से पुनौरा धाम मंदिर परिसर में कराए जाने वाले विकास कार्यों के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुनौरा धाम परिसर एवं सीता कुंड का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पुनौरा धाम मंदिर के विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराएं। मंदिर प्रांगण में स्थित सीता कुंड को ठीक ढंग से विकसित करें एवं उसका सौंदर्यीकरण बेहतर तरीके से कराएं। विकास कार्य पूर्ण होने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। यहां आकर उन्हें प्रसन्नता की अनुभूति होगी। मुख्यमंत्री ने सीता कुंड एवं पुनौरा धाम मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मिथिला डायरी

बलुआ पत्थरों से दिखेगी उत्कृष्ट वास्तुकला : पुनौरा धाम, बिहार में रामायण सर्किट से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। इसके विकास हेतु पुनौरा धाम मंदिर के चारों ओर एक छतदार परिक्रमा पथ का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें बलुआ पत्थर का उपयोग कर उत्कृष्ट वास्तुकला का समावेश किया जायेगा। पर्यटकों की सुविधा हेतु जानकी महोत्सव मैदान में वाहनों के लिए पार्किंग, आगंतुकों के लिए कैफेटेरिया, कियोस्क और टॉयलेट की सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित है। विकास कार्यों में सीता वाटिका तथा लव-कुश वाटिका का निर्माण भी प्रस्तावित है। ध्यान के लिए शांति मंडप का निर्माण सीता वाटिका के समीप किया जायेगा। देवी सीता के जीवन वृतांत को दर्शाने वाला थ्री डी एनिमेशन की व्यवस्था का भी प्रावधान है, जो पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो० जमा खान, बिहार विधान परिषद के उपसभापति रामचंद्र पूर्वे, सांसद सुनील कुमार पिंटू विधायक चेतन आनंद, विधायक संजय कुमार गुप्ता, विधायक मिथिलेश कुमार, विधायक दिलीप राय, विधायक मुकेश कुमार यादव, विधायक पंकज कुमार मिश्र, विधान पार्षद खालिद अनवर, विधान पार्षद रेखा कुमारी, विधान पार्षद रामेश्वर कुमार महतो, पूर्व मंत्री रंजू गीता, महावीर मंदिर न्यास, पटना के सचिव आचार्य किशोर कुणाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक पंकज सिन्हा, सीतामढ़ी के जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

ज्ञानयोग आत्मभाव महोत्सव सद्गुरु आह्वान

गुरु के माध्यम से ही जीवन में परमात्मा का प्रकाश संभव

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

श्रद्धावांल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति।।

श्रद्धावान, तत्पर और जितेंद्रिय साधक आत्मज्ञान को प्राप्त करता है और आत्मज्ञान का फल है परम शांति। यह परम शांति प्रत्येक मनुष्य के भीतर है और वह इसे खोजना बाहर है। इस शांति को श्रद्धा भाव से ही प्राप्त किया जा सकता है। श्रद्धा वह है, जिसके द्वारा मनुष्य गुरु द्वारा दिए गए उपदेश से यथावत ज्ञान प्राप्त करता है।

अज्ञानसर्पदष्टानां प्राणिनां कश्चिकित्सकः
सम्यग्ज्ञानमहामन्त्रवेदिनं सद्गुरुं विना।।

सामान्य व्यक्ति अज्ञान रूपी सर्प से दंशित रहता है और विष शरीर और मन को पीड़ित कर देता है। उस पीड़ा से मुक्ति का एक ही उपाय है, सद्गुरु से ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का अपने जीवन से योग करना, यही है ज्ञान योग।

ज्ञान ही जीवन का आधार

ज्ञान ही जीवन का आधार है। आधार शक्ति के बिना मनुष्य, साधक अपने जीवन के चतुर्वर्ग धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को प्राप्त नहीं कर सकता है। जिस भय को आपने पाला है, उस भय से पार गुरु द्वारा प्रदत्त ज्ञान ही ले जा सकता है। आत्मभाव का एकमेव लक्ष्य है- सत्+चित्+आनन्द की स्थिति में रहना।

निरन्तर और निरन्तर अपने मन के भीतर अवश्य चिन्तन करें, क्योंकि **सत्चित् आनन्द** के लिए ही प्राप्त हुआ है। आनन्द गुरु ज्ञान के प्रकाश में ही आता है। गुरु आशीर्वाद से ही चित् की व्याकुलता समाप्त होकर सन्तुष्टि की ओर, कर्म की ओर अग्रसित होती है। गुरु आपकी व्याकुलता को अपने आशीर्वाद द्वारा, अपने शक्तिपात द्वारा, अपने वचनों द्वारा, अपने भावों द्वारा, अपने प्रकाश द्वारा, अपने ज्ञान द्वारा चित्त को विशुद्ध बनाते हैं और वह विशुद्ध चित् ही आपका आत्मभाव है।

मनुष्य के मन में तीन प्रकार के विचार उत्पन्न होते हैं।
1. अशावान विचार/सोच, 2. नैराश्यपूर्ण विचार/सोच और 3. तटस्थ विचार/सोच।
मनुष्य जीवन में जो धारणाएं हैं, वह हृदय से ही उपजतीं हैं। हमारा आत्मभाव ही हमारे मौलिक स्वरूप को स्पष्ट करता है। आत्मभाव अर्थात हृदय स्थान और इसका स्वभाव है- दान, दया और बुरी भावनाओं का दमन।

आशावान बने रहना हमारा मौलिक स्वभाव

मनुष्य पीड़ित क्यों है? क्योंकि, वह अपने आत्मभाव के मौलिक स्वभाव से अलग हो रहा है, उसमें ज्ञान का अभाव है। ज्ञान के अभाव का अर्थ है- अज्ञान का आवरण ज्ञान के ऊपर आ जाना। जिस प्रकार सूर्य कभी अस्त नहीं होता, लेकिन हमारी पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है तो हमें दिन और रात का आभास होता है। जबकि सूर्य तो निरन्तर प्रकाशित है।

ज्ञान योग आत्मभाव का अर्थ है सदैव यह याद रखना कि सूर्य कभी अस्त नहीं होता है, अंधकार कुछ काल का है। अपनी गति को और विचलित नहीं करना है। शांत, श्रद्धा भाव से आशा का सूर्य प्रज्वलित रखना है। हमारा मौलिक स्वभाव आशावान बने रहना ही है। असंभव और विपरीत परिस्थितियों में भी आशा किरण को जलाए रखना है।

हमारे आत्म भाव के तीन प्रमुख आयाम हैं- आशा, प्रेम तथा श्रद्धा। इन तीनों गुणों से हमारा हृदय ओत-प्रोत है। आत्म भाव है आशा का ज्ञान भाव। आशा से ही मनुष्य सारे कर्म करता है। आशा के कारण ही संतान, धन-धान्य की इच्छा उत्पन्न होती है। आशा के कारण ही और अधिक प्राप्त करने की इच्छा होती है। आशा के कारण ही इह लोक, परलोक में प्राप्ति की इच्छा होती है। इस सृष्टि में सब कुछ आशा से ही चल रहा है। गुरु का स्वरूप आशा का ही स्वरुप है।

ज्ञान योग का अर्थ है भय का समापन

सबसे बड़ी बाधा है भय। हर एक के भय अलग-अलग होते हैं। परंतु एक आम गृहस्थ की चिन्ता है कि कैसे जीवन की आवश्यकताओं को पूर्ण करें? क्या करें कि बीते हुए कल, आज एवं आने वाले कल में संतुलन बना रहे? यह चिन्ता सबको त्रस्त कर रही है तथा निराकरण दिखता नहीं है। चिन्ता, भय का पर्याय है। दोनों एक-दूसरे से मिले हुए हैं, अलग नहीं हैं। चिन्ता है, इसलिए भय है और भय है, इसलिए चिन्ता करते हैं। ज्ञान योग का अर्थ भय का समापन है, ज्ञान योग का अर्थ चिन्ताओं का निवारण है, ज्ञान योग का अर्थ कष्टों से उत्कीलन है।

सत्य और ज्ञान की प्राप्ति हेतु गुरु-ज्ञान प्रकाश के शरणागत होना पड़ता है। इस संसार में जब भी प्रकाश, आलोक, सत्य, आत्मज्ञान की चर्चा होती है, तब निःसंदेह परमात्मा का ही स्मरण होता है। प्रकाश का स्रोत परमात्मा के अलावा और कोई नहीं है, जिन्हें अलग-अलग नाम से पुकारा गया है। परमात्मा के दिव्य प्रकाश, आत्मज्ञान को प्राप्त करने हेतु गुरु के शरणागत होना ही पड़ता है। परमात्मा का प्रकाश गुरु के माध्यम से ही हमारे जीवन में प्रविष्ट हो सकता है और जब परमात्मा का दिव्य प्रकाश साधक के आत्मभाव को प्रकाशित करता है तो उसका भाग्योदय हो जाता है और अज्ञान से ज्ञान की यात्रा प्रारंभ होती है।

गुरु का आशीर्वाद और ईश्वरीय आस्था आपके भावों को बलवती करने हेतु है। यही आत्मभाव, यही ज्ञान योग धर्म का आधार है। अपने आत्मभाव की रक्षा करो...। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आरोग्यधाम में गुरु-शिष्य का ज्ञान, आत्मभाव, योग एकाकार होगा..., यही ज्ञान योग है।

मन की आंखों से करो गुरु की पहचान

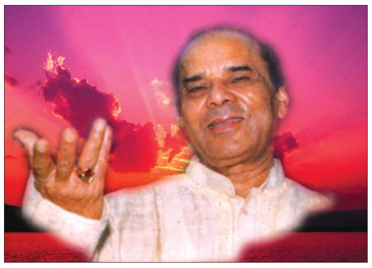

सद्गुरुदेव निखिल का कालजयी आह्वान

तुम सभी शिष्य, मेरी प्रश चेतना के साथ-साथ स्वयं मेरी मनश्चेतना के अविभाज्य अंग भी हो। यदि तुम इस बात का स्मरण रखो तो तुम में यह बोध स्वतः जागृति की अवस्था में आ जाएगा। आज इस नव वर्ष में तुम्हें यही संदेश दे रहा हूं और यही संदेश लेकर केवल आज ही नहीं, मैं तो सर्वदा तुम्हारे मध्य उपस्थित हूं।

कालचक्र के इस खंड में पुनः नया वर्ष आ रहा है और जीवन का आधार ही नवीनता है। यह नवीनता देह के माध्यम से नहीं आ सकती, क्योंकि मनुष्य जब पैदा होता है, तब वह घड़ी देखकर इस संसार में नहीं आता और जब वह जाता है, तब भी घड़ी देखकर अपने प्राण नहीं छोड़ता। जन्म और मृत्यु दो कीलें हैं और इन्हीं कीलों के बीच मनुष्य की जीवन डोर बंधी है। हर क्षण परिवर्तनशील है और जीवन का प्रति क्षण बीते हुए क्षण से अलग है। ईश्वर ने हर क्षण की रचना मनुष्य के लिए इस प्रकार की है कि वह प्रत्येक क्षण का मूल्य समझे और प्रत्येक क्षण को किस प्रकार आनन्द क्षण में परिवर्तित कर सकते हैं, यही क्रिया गुरु-शिष्य संबंध कहलाती है।

मुझे हर बार तुम्हें आवाज देनी है, हर क्षण तुम्हें पुकारते ही रहना है। प्रत्येक जन्म में तुम्हें अपने पास बुलाते रहने का निमंत्रण देते ही रहना है, क्योंकि तुम्हारा-मेरा संबंध इस जन्म का ही नहीं, पिछले 25-25 जन्मों का है। तुम्हारा मेरा संबंध केवल गुरु और शिष्य का ही नहीं, प्राण और आत्मा का है।

तुम्हारा और मेरा संबंध गुरु और शिष्य का ही नहीं है, जीवन की प्रेरणा और चेतना का है और इसीलिए यह आवाज देना, यह पुकारना मेरा कर्तव्य है, मेरा धर्म है, मेरा चिंतन है और मैं प्रतिक्षण अपने मानस के राजहंस को आवाज देता ही रहूंगा।

नववर्ष पर फिर कहता हूं कि गुरु की पहचान तो अपने आप में मन की आंखों से ही संभव है। अगर प्रेम का अंकुर फूटा ही नहीं तो आपने गुरु को पहचाना ही नहीं। नववर्ष पर मैं यह स्पष्ट संदेश देता हूं कि तुम्हारा और मेरा जीवन अलग हो ही नहीं सकता है। मेरे बिना तुम्हारे जीवन का कोई अस्तित्व नहीं है।

यह देह रूपी शरीर अवश्य है, लेकिन प्राणों का जीवन नहीं है। क्योंकि, तुम्हारे जीवन का प्राण तो मैं हूं, चेतना मैं हूं, तुम्हारे पास केवल शरीर है और इस शरीर में प्राणों की चेतना मेरे माध्यम से प्राप्त हो सकती है, क्योंकि मैं तुम्हारा गुरु हूं।
सस्नेह तुम्हारा,

सदगुरुदेव डॉक्टर नारायण दत्त श्रीमाली जी
(सद्गुरुदेव के नववर्ष 1998 पत्र के अंश)

आपका हार्दिक स्वागत है...
ज्ञान योग आत्मभाव महोत्सव

नववर्ष साधना शिविर : 23-24 दिसम्बर 2023
आरोग्य धाम, गुजरात अपार्टमेंट के पीछे, जोन 4/5, पीतमपुरा, दिल्ली -34

सृष्टि का मूल आधार ब्रह्म और माया को ही माना गया है। अर्थात ज्ञान और अज्ञान के आधार पर ही सारी सृष्टि का क्रम चलता रहता है। यही इस बात को स्पष्ट करता है कि सारा जीवन गुरु-शिष्य की अवधारणा से चलता है, शेष सभी संबंध गौण हैं।

जीवन का लक्ष्य **श्री** की प्राप्ति और ज्ञान सिद्धि है और जीवन में श्री की प्रति ज्ञान के द्वारा ही की जा सकती है। जिसने अपने जीवन में श्री को ज्ञान के साथ सिद्ध कर लिया, वह व्यक्ति जीवन में पूर्ण बन जाता है और उसका जीवन इस संसार में धन्य-धन्य हो जाता है। जीवन में श्री का आगमन गुरु के ज्ञान को अपने आत्म भाव में स्थापित करने से ही हो सकता है। नव वर्ष 2024 केवल अंग्रेजी पर्व नहीं है, यह तो वर्तमान जीवन में अपने पिछले अध्यायों की गलती और अपूर्णता को समाप्त कर गुरु ज्ञान से जीवन को आलोकित और नवीन अक्षर अंकित कर देने का अवसर है और यदि नव वर्ष के पूर्व सद्गुरुदेव से महान आशीर्वाद और महान दीक्षा प्राप्त हो जाए तो जीवन धन्य होता है।

इस बार नववर्ष पर गुरु तपस्या स्थली आरोग्यधाम, दिल्ली में सद्गुरु कृपा तले सभी शिष्यों को जो दीक्षा प्रदान की जाएगी, वह गुरु ज्ञान योग आत्मभाव दीक्षा है। अर्थात गुरु के ज्ञान को अपने आत्म भाव में स्थापित कर, जीवन की अपूर्णता को समाप्त कर पूर्णता की ओर एक श्रेष्ठ यात्रा है। जहां सद्गुरु, शिष्य और आत्मभाव का संगम है। आप सबका स्वागत है। गुरु शक्ति पीठ आरोग्यधाम, दिल्ली में, जहां आप नव वर्ष के पूर्व गुरुदेव के साथ अपने जीवन कलश में शक्ति तत्व, ज्ञान तत्व का नवीन संचार करेंगे। आप सपरिवार अवश्य आयें।

सम्पर्क :- **निखिल मंत्र विज्ञान**
राम चैतन्य शास्त्री, मनोज भारद्वाज
9799988970, 9799988904, 9799988905

बीटीपीएस के एफजीडी प्लांट में गैस से सफल परीक्षण

एक महीने में शुरू जाएगा सल्फर-मुक्त विद्युत उत्पादन

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट वाले ए प्लांट में कोयला से सल्फर को अलग करने तथा जिप्सम निर्माण को लेकर बनाये गए एफजीडी प्लांट को फ्लू गैस से गैस-इन टेस्ट बीते दिनों किया गया। एफजीडी प्लांट का सफलतापूर्वक टेस्ट के बाद डीवीसी के वरीय जीएम एसएन प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों, इंजीनियरों एवं निर्माण कार्य करनेवाली कंपनी के इंचार्ज यू दास सहित सभी इंजीनियरों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। इसके पूर्व गुरुवार को एफजीडी प्लांट को फ्लू गैस से गैस-इन करके 15 फीसदी चार्ज करके देखा गया।

इस दौरान चिमनी से धुआं सफलतापूर्वक निकला। टेस्ट के क्रम में आब्जर्वर टैंक में गैस को भेजा गया। साथ ही, कन्वेयर बेल्ट से लाइम सिस्टम को भी चालू कर क्रश किया गया। मौके पर वरीय जीएम एसएन प्रसाद, डीजीएम मैकेनिकल एसआर पंडा, देव प्रसाद खान, राजीव रंजन सिन्हा, राकेश कुमार, उज्जवल विश्वास, टेक्नो कंपनी के इंचार्ज यू दास सहित कई अधिकारी एवं इंजीनियर थे। वरीय जीएम ने कहा कि गैस-इन का सफलतापूर्वक टेस्ट के बाद ट्रायल रन कर एक माह के दरम्यान चालू किया जाएगा।

400 करोड़ की लागत से हुआ है निर्माण

पर्यावरण के नये मापदंड को लागू करने तथा प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट के पावर प्लांट में अलग से 400 करोड़ की लागत से एफजीडी प्लांट के निर्माण की प्रक्रिया वर्ष 2019 में आरंभ की गयी थी। निर्माण कार्य मेसर्स टेक्नो कंपनी को डीवीसी द्वारा आबंटित किया गया था, जिसे दो वर्ष में पूरा किया जाना था।

प्रदूषण-नियंत्रण के लिए जरूरी

वर्तमान में पावर प्लांटों में खपत होनेवाले कोयला में पाये जाने वाले व्यापक मात्रा में सल्फर से प्रदूषण पर रोक को लेकर तथा कोयला से सल्फर को हटाने की प्रक्रिया एवं जिप्सम निर्माण के लिए एफजीडी प्लांट को लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसी के तहत 500 मेगावाट के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में एफजीडी प्लांट का निर्माण पीपीएम भवन के पीछे की खाली जमीन का चयन कर किया गया था।

नए चेयरमैन आईएएस सुरेश से डीवीसी को काफी उम्मीदें

1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के नये चेयरमैन सेपुरी सुरेश कुमार से डीवीसी को काफी उम्मीदें हैं। मूलतः आंध्रप्रदेश के रहने वाले आईएएस अधिकारी की जन्म तिथि 25 मई 1966 की है। वे पश्चिम बंगाल कैडर के अधिकारी हैं। डीवीसी में चेयरमैन पद पर नियुक्ति के पूर्व सेपुरी सुरेश कुमार पश्चिम बंगाल में ऊर्जा विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, पश्चिम बंगाल हाईवे कॉरपोरेशन लि., प्रिंसिपल सेक्रेटरी डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट, प्रिंसिपल सेक्रेटरी फायर एंड इमरजेंसी सर्विर्सेज, प्रिंसिपल सेक्रेटरी माइनॉरिटी अफेयर्स एंड मदरसा एजुकेशन, एडिशनल डायरेक्टर नेता जी सुभाष एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, डायरेक्टर वेस्ट बंगाल ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन सहित केंद्र सरकार के गृह विभाग में भी डेपुटेशन पर अपनी सेवा दे चुके हैं। श्री कुमार की गिनती ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ आईएएस अधिकारी के रूप में होती है। नये चेयरमैन सेपुरी सुरेश कुमार से डीवीसी को काफी उम्मीदें हैं। नया चेयरमैन श्री कुमार को ऐसे समय में बनाया गया है, जब डीवीसी के कोडरमा में 800 मेगावाट की दो, दुगार्पुर में 800 मेगावाट की एक और रघुनाथपुर में 660 मेगावाट की दो यूनिटों का निर्माण किया जाना है। इसके अलावा लुगू पहाड़ पर 1500 मेगावाट का पंप स्टोरेज प्लांट, सोलर प्लांट, हाइडल प्लांट, ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट आदि का का भी निर्माण किया जाना है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि डीवीसी के चंद्रपुरा में 800 मेगावाट का पावर प्लांट प्रस्तावित है। साथ ही बोकारो थर्मल में 630 मेगावाट के बी पावर प्लांट की कटिंग के बाद मौजूदा प्लांट की जमीन को देखते हुए 800 मेगावाट के पावर प्लांट को भी लगाने की योजना का लक्ष्य रखा गया है।

पारिवारिक परिदृश्यों को दिखाएगी वेब सीरीज 'संदेश'

संवाददाता

रांची : झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और मेरी आवाज मेरी पहचान के संयुक्त तत्वावधान में संदेश नामक वेब सीरीज का पहला मुहूर्त चेंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री के द्वारा चेंबर भवन में किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस तरह से आप लोगों ने शुरूआत की है, पूरा अंजाम तक पहुंचे। समय-समय पर चेंबर आपका पूरा सहयोग करता रहेगा। उन्होंने कलाकारों की हौसला अफजाई भी की। किशन अग्रवाल और सपना मुखर्जी के ऊपर एक शार्ट फिल्माया गया, जो पहले ही बार में कामयाब रहा। फिल्म कला उप समिति के चेयरमैन आनंद जालान ने कहा कि यह हमारा पहला लघु चित्र है। उम्मीद है लोगों को काफी पसंद आएगा। रांची के कलाकार अपनी प्रतिभा से झारखंड और देश का नाम रोशन करेंगे। फिल्म एक्टर देवेश खान ने ही पूरी फिल्म संदेश को सजाया है।

उन्होंने कहा कि यह एक पारिवारिक लघु चित्र है, जो घर में घटना घटती है उसको ही दिखलाया गया है। कहानी काफी रोमांचक है। बुलंद अख्तर ने खूबसूरत अंदाज में इसकी पटकथा लिखी है। मौके पर कुमार गहलोत, किशन अग्रवाल, बुलंद अख्तर, विवेक पासवान, कविता होरो, आफताब आलम, सुलोचना सहदेव, सपना मुखर्जी, संजना शर्मा, अजितेश कुमार, सुमित कुमार आदि मौजूद थे।

मिथिला में इन कारणों से नहीं होता विवाह पंचमी को विवाह

मार्गशीष यानी अगहन महीना के शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि को राम और सीता का विवाह हुआ था। उसी समय से इस पंचमी को विवाह पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम को सीताजी से विवाह हुआ था। लोग इस दिन शादी का मुहूर्त को शुभ मानते हैं और यह एक ऐसा दिन है जिस दिन को बिना पंचाग देखे भी लोग शादी करते हैं। लेकिन, मिथिला और नेपाल में रहने वाले लोग विवाह पंचमी के दिन शादी नहीं करते है। मिथिला के लोगो कहना है कि राजा जनक ने सीताजी की शादी ऐसे मुहूर्त में कराई, जिसके कारण सीता जी को हमेशा कष्ट झेलना पड़ा।

मिथिला का राजा जनक थे, जिनकी राजधानी जनकपुर थी और सीताजी को मिथिला में बेटी कहा जाती है, इसलिए भी मिथिलावासी सीता के दुख और कष्टों को लेकर अतिरिक्त रूप से संवेदनशील हैं। 14 वर्ष वनवास के बाद भी गर्भवती सीता का राम ने परित्याग कर दिया था। इस तरह राजकुमारी सीता को महारानी सीता का सुख नहीं मिला, इसीलिए विवाह पंचमी के दिन लोग अपनी बेटियों का विवाह नहीं करते हैं। आशंका यह होती है कि कहीं सीता की तरह ही उनकी बेटी का वैवाहिक जीवन दुखमय न हो। मिथिला में विवाह पंचमी पर की जाने वाली रामकथा का अंत राम और सीता के विवाह पर ही हो जाता है, क्योंकि दोनों के जीवन के आगे की कथा दुख और कष्ट से भरी है और इस शुभ दिन सुखांत करके ही कथा का समापन कर दिया जाता है।

राम और सीता के विवाह की वर्षगांठ के तौर पर विवाह पंचमी का उत्सव मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान राम और देवी सीता भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के अवतार हैं। दोनों ने समाज में आदर्श और मर्यादित जीवन की मिसाल कायम करने के लिए मानव का अवतार लिया।

प्रस्तुति : डॉ. बी. के. मल्लिक, वरिष्ठ लेखक।

पेज- 1 का शेष

मेडिकल पढ़ाई के लिए...

इसे बोकारो विधायक का प्रयास बता रहे हैं, वहीं सत्ताधारी झामुमो के नेता सीएम की सकारात्मक कोशिशों का परिणाम बता रहे हैं। बोकारो जिला भाजपा के कार्यकताओं ने केंद्रीय इस्पात मंत्री एवं बोकारो विधायक के प्रति आभार प्रकट किया है। भाजपा के मीडिया प्रभारी महेन्द्र राय ने बताया कि केंद्र सरकार के पूर्व इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के सहयोग से बोकारो विधानसभा क्षेत्र में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा निःशुल्क जमीन उपलब्ध कराकर बोकारो में सरकारी मेडिकल कॉलेज का निर्माण होने जा रहा है। गौरतलब है कि पूर्व की रघुवर सरकार में बोकारो मेडिकल कॉलेज की घोषणा दो बार की थी। मौजूदा सरकार ने भी इसे लेकर घोषणा की थी। इसी साल बीते जून महीने में मेडिकल कॉलेज को लेकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रपोजल प्रेजेंटेशन आला अधिकारियों के सामने किया गया था। इसके बाद कॉलेज का नाम पूर्व मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के नाम पर खोलने की घोषणा की गई थी। इस बीच, भाजपाइयों का कहना है कि कि पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बोकारो दौरे पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए निःशुल्क जमीन देने का आग्रह किया था। तब केंद्रीय इस्पात मंत्री ने बीएसएल प्रबंधन को इस विषय को गंभीरता लेते हुए जमीन आवंटन करने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू करने का आदेश दिया था। वर्तमान में झारखंड सरकार ने आज कैबिनेट से इसे पारित कर दिया, जो बोकारो के लोगों के लिए खुशी की बात है। झारखंड विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक सह- बोकारो विधायक बिरंची नारायण के प्रयास से बोकारोवासियों का सपना साकार हो रहा है।

धुआं-धुआं हुई सुरक्षा... पीले धुएं के पीछे कुछ काला सच तो नहीं ?

पुजारी का बेटा निकला मास्टरमाइंड

ब्यूरो संवाददाता
नई दिल्ली : संसद पर हमले की बरसी के दिन 13 दिसंबर को मौजूदा संसद सत्र के दौरान लोकसभा में जो हुआ, उससे यही पता चलता है कि देश की राजधानी में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत की सुरक्षा व्यवस्था भी घोषित दावे के आईने में किस हालत में है। सबसे सुरक्षित जगह माने जानेवाली की सुरक्षा किस कदर धुआं-धुआं हो गई, यह इस घटना ने साबित कर दिया। गौरतलब है कि संसद में लोकसभा के भीतर चलती सदन में दर्शक दीर्घा से दो युवक ऊपर से कूदे और उन्होंने स्मोग स्प्रे के जरिए धुआं फैला दिया। जाहिर है, उनके पास ऐसी चीजें थीं, जिन्हें संसद के भीतर ले जाना प्रतिबंधित है।

सवाल है कि संसद परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के दाखिल होने को लेकर बहुस्तरीय और कई परतों में किए गए सुरक्षा जांच इंतजामों के बावजूद ऐसा कैसे संभव हुआ! लोकसभा के भीतर पहुंचे दो लोगों ने जो किया, अब पकड़े जाने के बाद अब उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया चलेगी। मगर इससे यही पता चलता है कि युवकों के अपने मकसद को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसके भीतर जाने की इजाजत मिलने की प्रक्रिया में शामिल लोगों के अलावा संसद की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने वाली इकाई की भी है, जिसमें लापरवाही बरती गई।

22 वर्ष पहले आतंकवादियों द्वारा दिया एक नासूर जख्म, जो प्रत्येक 13 दिसबंर की तारीख के दिन याद करके हरा हो जाता है, उसी दिन ऐसी घटना का होना महज अनहोनी नहीं मानी जा सकती। इस पीले धुएं के पीछे का काला सच क्या है, इसका पता लगाना जरूरी है। हालांकि, घटना के मुख्य आरोपी दरभंगा निवासी ललित झा ने खुद को सरेंडर तो कर दिया, परंतु इस घटना की बारीकी से तफ्तीश जरूरी है।

भारी चूक

उस दिन संसद के बाहर भी एक महिला सहित दो लोगों को इसी तरह की हरकत करते और नारे लगाते पकड़ा गया। इस समूचे मामले में छह लोगों को शामिल बताया गया है। संसद में हुई इस घटना को महज इसलिए कम करके नहीं आंका जा सकता कि उसमें कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई और छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, यह संसद की सुरक्षा-व्यवस्था में भारी चूक का मामला है और इस मसले पर गंभीर चिंता होनी चाहिए। संसद में जनप्रतिनिधियों के बैठने की जगह पर पहुंचे आरोपियों ने एक तरह से सीमित हमले को अंजाम दिया। कल्पना की जा सकती है कि अगर उनके पास कोई और घातक वस्तु होती तो क्या हो सकता था! सामान्य दिनों में भी संसद परिसर में प्रवेश को लेकर कई सख्त पैमाने तय हैं। संसद का अपना एक मजबूत सुरक्षा तंत्र है और भीतर जाने वाले हर बाहरी व्यक्ति को सांसद या अधिकृत अफसर की सिफारिश से पास बनवाना पड़ता है और उनके सभी सामान की बेहद बारीकी से जांच की जाती है। नई संसद को खासतौर पर पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल तकनीकों से लैस किया गया है और आंतरिक व्यवस्था को मजबूत किया गया है,

जब 14 लोगों की चली गई थी जान

विडंबना यह है कि यह घटना ठीक उसी तारीख को हुई, जिस दिन 22 वर्ष पहले 13 दिसंबर, 2001 को कुछ आतंकवादियों ने पुराने संसद भवन पर हमला किया था, जिसमें कुल चौदह लोगों की जान चली गई थी। वह घटना इतिहास में दर्ज है और तब भी संसद की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई गई थी। उस तरह की किसी भी घटना का सबसे बड़ा और प्राथमिक सबक यह होना चाहिए था कि कम से कम उसके बाद हर स्तर पर ऐसी तमाम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में उस तरह का दूसरा मामला किसी भी हाल में संभव न हो सके। जब नई संसद बनी तब इसके बारे में यह भी दावा किया गया कि यह सुरक्षा व्यवस्था की कई दीवारों से लैस है और इसमें कोई आपराधिक वारदात संभव नहीं है, मगर दो लोगों ने बाकायदा लोकसभा में जाकर इस दावे को एक तरह से आईना दिखाया है। जरूरत इस बात की है कि कम से कम अब मौजूदा सुरक्षा तंत्र की व्यापक समीक्षा हो और उसे सौ फीसद अभेद्य बनाया जाए।

मगर इतने व्यापक इंतजाम के बावजूद अगर कुछ लोग सदन में जाकर मनमर्जी करने में कामयाब हो जाते हैं तो इसकी जिम्मेदारी तय करने की जरूरत है कि सुरक्षा व्यवस्था में किस स्तर पर चूक हुई। इसे लेकर सभी को सहयोग करने की भी आवश्यकता है, सियासत की नहीं। सियासत और हो-हंगामा के कारण ही 14 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया।

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की घटना के मास्टरमाइंड ललित झा का संबंध बिहार के दरभंगा जिले से है। इस घटना ने दरभंगा जिले के रामपुर उदय गांव के लोगों को हैरान कर दिया है। ललित झा बहेड़ा थाने के रामपुर उदय गांव का ही मूल निवासी है। उसके पिता देवानंद झा पुजारी हैं। पंडतई से ही रोजी-रोटी चलाते हैं। भाई बिजली मिस्त्री है। इस घटना में ललित झा का नाम और चेहरा सामने आया तो न परिवार के लोगों को यकीन हुआ और न ही गांव के लोगों को। बिहार पुलिस ने ललित झा के घर पहुंच कर छानबीन शुरू की है। दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार ने बताया कि ललित की पारिवारिक पृष्ठभूमि बेहद सामान्य है। पुलिस ने उसके घर और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की लेकिन अब तक कोई खास जानकारी नहीं मिल पाई है। रामपुर उदय गांव के लोगों ने बताया कि ललित और उसके परिवार के पास नाम मात्र की संपत्ति है। गांव में रोजी-रोटी चलाना संभव नहीं था। इसलिए पूरा परिवार पश्चिम बंगाल में बस गया। तीज-त्योहार और खेती के मौके पर ललित और उसके परिवार का गांव में आना- जाना होता है। ललित झा के पिता देवानंद झा बंगाल में ही पूजा-पाठ कर अपना परिवार चलाते हैं। छोटा भाई बंगाल में ही बिजली मिस्त्री है। एक और भाई कपड़े की दुकान में काम करता है। पिता देवानंद झा ने बताया कि वे ललित के कारनामे से हैरान हैं। उनका परिवार 10 दिसंबर को गंगासागर एक्सप्रेस से खेती-बाड़ी के काम से गांव आया था। गांव में थोड़ी बहुत जमीन है। पहले से तय था कि ललित भी गांव आएगा। जिस दिन गांव आना था उसी दिन वह बिना कोई जानकारी दिए अचानक दिल्ली चला गया। उन्हें ललित के कारनामे की जानकारी अखबार टीवी से मिली। देवानंद ने बताया कि उनका परिवार गरीबी से जूझता रहा है। ललित झा ने जब इंटर की पढ़ाई पूरी कर ली तो उसे मेडिकल परीक्षा की तैयारी करने को कहा गया, लेकिन गरीबी के कारण वह कोचिंग और आगे की पढ़ाई नहीं कर सका। इसके बाद वह बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने लगा था।

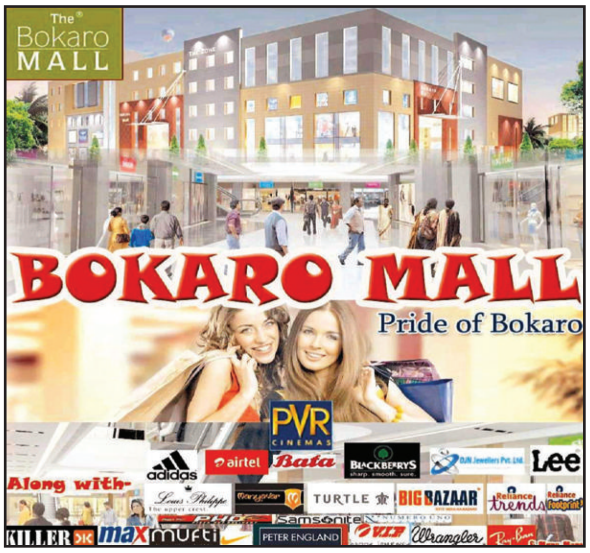

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय**, फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिमेवार)